ISSN 2231-1629 Knowledge Resonance
IMPACT FACTOR 8.072
July – December 2022- Vol. 11 No. 2

वैश्विक भुखमारी सूचनांक और भारत की स्थीती

प्रा. डॉ. सुर्यकांत पवार
अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख
लोकमान्य महाविद्यालय, सोनखेड
मो. नं. 9763084130

प्रास्ताविक :

भारत ने हाल के वर्षो में उल्लेखनिय आर्थिक विकास किया है और यह दुनिया की सबसे तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है ।

जबकी खाद्य सूरक्षा की स्थिती में उत्तरोत्तर सुधार हो रहा है, गरीब आबादी के लिये पोशण और संतुलित आहार तक पहूच अभी भी समस्याग्रत है वैश्विक भुखमारी सूचलांक, 2022 मे भारत 121 देशो की श्रेणी में 6 स्थान और फिसलकर 107 वे स्थान पर आ गया है। इस परिदृश्य में GHI 2022 मे संबधित मुददो और भारत में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के दायरे पर एक विचार करता प्रासंगिक होगा ।

अध्ययण के उद्दे :

1. वैश्विक भुखमारी सूचनांक का अध्ययण करणा।
2. भुखमरी से निपटने के लिये सरकार की प्रमुख योजना का अध्ययण करणा ।
3. भारत में भुखमरी और कुपोशण के लिये उत्तरदायी प्रमुख कारन का भोध करना ।

अध्ययन पध्दती :

वर्तमान भोध पत्र वास्तव में एक चर्चा पत्र हे, जो आंतरराश्टीय राश्टीय और राज्य संसाधनो से व्दितीयक डेटा पर आधारीत है जो, स्वास्थ व्यय की प्रकृती और वैश्वीक भूख के साध संबध पर चर्चा करता है ।

1. वैश्विक भुखमरी सूचनांक क्या है

सामान्य दृष्टिकोण में भुखमरी या 'हंगर' भोजन की कमी से होने वाली परेशानी को संदर्भित करती है, हालॉकी यह GHI महज इसी आधार पर भुखमरी का मापन नही करता बल्कि यह भुखमरी की बहुआयायी प्रकृति पर विचार करता है, इसके लिए चार आधारों पर विचार करता है :

अ) अल्पोषण :

जनसंख्या का वह हिस्सा जिसका कॅलोरी से" न अपर्याप्त है, यह स्कोर के 1/3 भाग का निर्माण करता है

ब) चाईल्ड स्टंडिग :

5 वर्षे से कम आयु के बच्चो का वह हिस्सा जिनका बद उनकी आयु को अनुरुप कम है, जो गांभिर अल्पोषण को दर्शाता है यह, GHI स्कोर के 1/6 भाग का निर्माण करता है ।

क) चाइल्ड वेस्टिंग :

5 वर्षे से कम आयु के बच्चो का वह हिस्सा जिनका वजन उनके कद के अनुरुप कम है, जो तीव्र अल्पोषण को दर्शाता है, यह भी स्कोर के 1/6 भाग का निर्माण करता है

ड) बाल मृत्यु दर :

5 वर्षे की आयु से पूर्व मृत्यु कड शिकार हो जाने वाले बच्चों का हिस्सा, जो अपर्याप्त पोषण और अस्वास्थकर वातावरण के घातक मिश्रण को प्रकट करता है । यह स्कोर के 1/3 भाग का निर्माण करता है

कुल स्कोर को 100 पॉईंट स्केल पर रखा गया है और कम स्कोर बेहतर प्रदर्शन को परिलोक्षित करता है, 20 से 34.9 के बीच के स्कोर को गंभीर श्रेणी में ऑका जाता है और 2022 में 29.1 के कुल स्कोर के साथ भारत को इसी श्रेणी में रखा गया है ।

2. भुखमरी से निपटने के लिये सरकार की प्रमुख योजना :

अ) पोषण अभियान
ब) प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
क) फूड फोर्टिफिकेशन
ड) ईट वाइट इंडिया मूवमेंट

3. भारत में भुखमरी और कुपोशण के लिये उत्तरदायी प्रमुख कारक

1) गरीबी समर्थित भुखमरी :

बदतर जीवन स्थिति बच्चो के लिये भोजन की उपलब्धता को सीमित करती है, जबकि आहार तक सीमी पहुॅच के साथ अत्याधिक जनसंख्या की समस्या वि" ोश रुप से ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोशण जैसे परिणाम उत्पन्न करती है ।

2) दोषपूर्ण सार्वजनिक वितरण :

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य के वितरण में व्यापक भिन्नता की स्थिती रही है, जहॉ अधिक लाभ कमाने के लिए अनाज को खुले बाजार में ले जाया जाता है जबकी राशन की दुकानों में खराब गुणवत्ता वाले अनाज की बिक्री की जाती है । इसके साथ ही इन राशन दुकानों को खोले जाने में भी अनियमितता की स्थिती रही है,

3) अनभिज्ञान भुखमारी :

कीसी परिवार की गरीबी से निचे की स्थिती को निर्धारीत करने के लिये उपयोग किये जाने वाले मानदंड मनमानी प्रकृति के है, और यह मानदंड प्राच अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग होते है । गरीबी देखा से उपर और नीचे के गलत वर्गीकरण के कारण खाद्य उपभोग में व्यापक गिरावट आई है ।

4) प्रच्छन्न भुखमरी :

भारत सुक्ष्म पोषक तल्ब की गंभीर कमी का सामना कर रहा है । गुणवत्ताहिन आहाट, रोग और महिलाओं में गर्भावस्था एवं स्तनपान के दौरान सूक्ष्म पोषक तत्वों की आव" यकताओं की पूर्ति में विफलता जैसे कई कारण इस समस्या के लिये उत्तरदायी है ।

5) लिंग असमानता :

पितृसत्ताक मानसिकता के कारण लिंग असमानता बालिकाओं को बालको की तुलना में अलाभ की स्थिती में रखती है और उन्हे अधिक पिडीत बनाती है क्योंकि वे घर में सबसे बाद मे आहार पाती है और कम महत्वपूर्ण मानी जाती है ।

6) टीकाकरण की कमी :

जागरुकता की कमी के कारण निवारक देख्माल के मामले में भी बच्चों की अनदेखी की जाती है और सामर्थ्य समस्याओं के कारण रोगों के लिए स्वास्थ देखभाल तक उनकी पहुॅच नही हो पाती है ।

7) पोषण संवेधी कार्यकमो की लेखापरीक्षा का अभाव :

यद्यपि देश में पोषण में सुधार के मुख्य लक्ष के साथ कई कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया जा रहा है, लेकिन स्थानिय शासन स्तर पर कोई विशिष्ट पोषण लेखापरीक्षा तेज मौजुद नही है ।

निष्कर्ष :

बेहतर पोषण केवल भोजन तक सीमित नही है, सामाजिक मानदंड जी शामिल है । इसलिये पोषण की कमी को पूरा करने के लिये व्यापक निती आवश्यक है, यदि स्वच्छ भारत अभियान, बेटी बचाओं बेटी पढाओं अभियान और पोशण अभियान जैसी पोषण नितीयों को परस्पर संबध्द किया जाए तो भारता का पोषण स्थिती में समग्र परिवर्तन लाया जा सकता है ।

संदर्भ :

1. Paperback (2013) Food politics what everyone needs to know 'oxford university press inc'
2. Manish pathak (2020) 'Food Production'
3. Bhubaneshwar sabar (2015) food insecurity, coping strategies and particularly vulnerable tribal groups Abhijeet Publication.